from: Ajodhia Prasad
Security Prisoner
Central Prison Agra

OCT 2 A 1940

XVII/1(S)

To
Pt. Padma Kant Malviya
Security Prisoner, Central Prison
NAINI

Letter No. 6
Dated 16 - 10 - 40

प्रिय पद्मकान्त जी,

यह मैं छठवाँ पत्र आपको लिख रहा हूँ। मगर आज तक एक का भी उत्तर नहीं मिला। [illegible] से आज तक मुझे तीन पत्र आपके [illegible] मिल जाने चाहिये थे। यह [illegible] समय को [illegible] है कि [illegible] जाने [illegible] चिट्ठियाँ ही गुम [illegible] हो जाती हैं तभी तो [illegible] आपका एक भी पत्र नहीं मिला। [illegible]

[illegible]

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA
राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत
National Archives of India

३

जिसमें जीवन-ध्वनि है जोगी, गया मना है जीवन का
किसी प्यारा पुष्प को उगना अपने जीवन का [illegible]
अन जाने में बन बैठे है [illegible]
अन जानों के [illegible] अनजाने [illegible] प्यार ॥२॥

छूट गया दो [illegible] [illegible] मुसकाई हो गया है

[illegible] ऐसे [illegible]
प्रेम-छाया के [illegible] हीन [illegible]
बचपन [illegible] बालकपन की [illegible] [illegible] उज्ज्वल में
स्वच्छ [illegible] आविष्कार हो [illegible]

हो [illegible] मन [illegible] रहते है [illegible]
[illegible] ॥३॥

[illegible] पत्र [illegible] बढ़ा [illegible] गया। यह विदा। मित्रों को मेरी याद
दिला दीजियेगा।

आपकी —

[illegible]

LIEUT. CO[illegible] I.M.S.
[illegible] AREA

राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत
National Archives of India
NATIONAL ARCHIVES OF INDIA